सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग : परिचय			
कार्यक्रम: द्विवर्षीय पाठ्यक्रम	कक्षा: एम.ए.	सेमेस्टर प्रथम	सत्र 2025 - 26
विषय: राजनीति विज्ञान			

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC11
२	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय राजनीतिक चिंतन
3	पाठ्यक्रम का प्रकार: (कोर कोर्स/वोकेशनल)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	इस पाठ्क्रम हेतु तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करना आवश्यक है।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	1 इस कोर्स को पूरा करने के पश्चात विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा में राजनीतिक चिंतन की उत्पत्ति व विकास को समझने में सक्षम होंगे । 2 विद्यार्थियों में कौटिल्य और मनु के प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन की समझ पैदा होगी । 3 भारतीय पुनर्जागरण के प्रारंभ को तथा उसके भारतीय समाज को परिवर्तित करने की प्रक्रिया को समझ सकेंगे। 4 महात्मा गांधी, ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले और अहिल्याबाई के मुख्य विचारों और कार्यों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे। 5 विद्यार्थी जवाहरलाल नेहरू और भीमराव अंबेडकर के राजनीतिक विचारों का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे। 6 विद्यार्थी लोहिया जयप्रकाश नारायण और दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानवतावाद से परिचित हो सकेंगे। 7 समझ सकेंगे कि किस तरह अरविंदो ने भारतीय राष्ट्रवाद को समझा और व्याख्या की और अरविंदो ने भारतीय राष्ट्रवाद की सनातन धर्म से सामानता क्यों स्थापित की।
6	क्रेडिट मान	5
7	कुल अंक	100

भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में) 6 घंटे कुल व्याख्यान - 75 घंटे		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या**
I	1. भारतीय ज्ञान परंपरा में राजनीतिक चिंतन- उत्पत्ति एवं विकास 2. कौटिल्य,मनु, शांतिपर्व 3. भारतीय पुनर्जागरण- राजा राम मोहन रॉय, बाल गंगाधर तिलक, विवेकानंद, दयानंद सरस्वती	15
	गतिविधियां- 1 समूह चर्चा - विद्यार्थियों को कई समूहों में बांटे और उन्हें भारतीय राजनीतिक चिंतन के विभिन्न विचारों पर चर्चा के लिए कहें जैसे राज्य की उत्पत्ति, सप्तांग सिद्धांत। 2 रोल प्ले - विद्यार्थियों को विभिन्न भारतीय विचारकों जैसे तिलक, विवेकानंद, इत्यादि की भूमिका निभाने व उनके विचारों को व्यक्त करने को कहें।	

II	1. महात्मा गांधी के राजनीतिक सामाजिक और आर्थिक विचार 2. ज्योतिबा फुले सावित्रीबाई फुले अहिल्याबाई	15
	गतिविधियां 1. पैनल चर्चा- गांधी, फूले और अहिल्याबाई के जीवन और कार्यों पर पैनल चर्चा करवाएं	
III	1. पंडित जवाहरलाल नेहरू के राजनीतिक विचार 2. डॉ भीमराव अंबेडकर के राजनीतिक विचार	15
	गतिविधियां- 1 समूह चर्चा- नेहरू और अंबेडकर के विचारों और योगदान पर समूह चर्चा आयोजित करवाई जा सकती है	
IV	1 राम मनोहर लोहिया के राजनीतिक विचार 2 जयप्रकाश नारायण के राजनीतिक विचार 3 आचार्य नरेंद्र देव के राजनीतिक विचार	15
	गतिविधियां - 1 वाद विवाद- लोहिया, जयप्रकाश और नरेंद्र देव के	

	समाजवादी विचारों पर वाद विवाद आयोजित करवाया जा सकता है जैसेकि क्या लोहिया के चौख्म्बा राज्य का विचर भारत के लिये बेहतर होता।	
V	1. दीनदयाल उपाध्याय के राजनीतिक विचार 2. एम एन राय के राजनीतिक विचार 3. अरबिंदो घोष के राजनीतिक विचार **गतिविधियां-** 1 इंटरएक्टिव क्विज- विभिन्न भारतीय विचारकों दीनदयाल उपाध्याय, एम एन राय ,अरबिंदो घोष के विचारों पर आधारित इंटरएक्टिव क्विज आयोजित करें।	15

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन

1. V.P. Verma, Modern Indian Political Thought Laxmi Narayan Agrawal, Agra - 2004.
2. Dr. Yogendra K. Sharma, Bhartiya Rajnitik Vicharak Vol. I, II, Kanishka Publishers, New Delhi, 2001.
3. M.A. Azad, India Wins Freedom, Hyderabad, Orient Lorgman, 1988.
4. D.G. Dalton, India's Idea of Freedom : Political Thought of Swami Vivekanand, Aurobindo Ghose, Mahatma Gandhi,, Delhi Academic Press, 1982.
5. K.P. Karunakaran, Indian Politics from Dadabhai Noroji to Gandhi; A Study of Political Ideas of Modern India, New Delhi, Gitanjali, 1975.
6. R.M. Lohia, Marx, Gandhi and Socialism, Hyderabad, Nav Hind, 1953.
7. V.R. Mehta, Foundations of Indian Political Thought, New Delhi, Manohar, 2022.
8. B.R. Nanda, Gandhi and His Critics, Delhi Oxford, 1985.
9. Brecher Michael, Nehru, A Political Biography, Oxford, 1959.
10.Bidyut Chakrabarty and RK Pandey, Modern Indian Political Thought,SAGE 2009

11. गोविंद प्रसाद शर्मा, आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी,भोपाल 2024

12 संजीव कुमार शर्मा, राजनीतिक चिंतन की भारतीय दृष्टि, प्रभात प्रकाशन, 2023

13 विजय कुमार वर्मा व अखिलेश पाल, भारतीय राजनीतिक चिंतन भाग1, पिनेकल लर्निंग, 2022

- https://mncbmonline.co.in/attendence/classnotes/files/1682438242.pdf
- https://tnou.ac.in/NAAC/SSR/C1/1.1.5/MPSS-21.pdf

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित मुल्यांकन विधियांः **अधिकतम अंक: 100 न्यूनतम अंक 40** **सतत व्यापक मूल्यांकन अंक: 40,** **विश्वविद्‌यालयीन परीक्षा: 60**		
आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मुल्यांकन (CCE): 40	4 क्लास टेस्ट (प्रत्येक टेस्ट 20 अंक, तीन टेस्ट लिखित होंगे और चौथा टेस्ट क्विज, परियोजना कार्य, प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) आदि के रूप में हो) 2 सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जोडा जाए	कुल अंक: 40
आकलन: विश्वविद्‌यालयीन परीक्षा **समय: 03 घंटे**	**अनुभाग (अ)ः पांच लघु प्रश्न प्रत्येक (150 शब्द)** **अनुभाग (ब) पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	कुल अंक: 60
कोई टिप्पणी/सुझावः		

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग : परिचय			
कार्यक्रम: द्विवर्षीय पाठ्यक्रम	कक्षा: एम.ए.	सेमेस्टर प्रथम	सत्र 2025 - 26

विषय: राजनीति विज्ञान		
1	पाठ्यक्रम का कोड	CC12
२	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**भारतीय शासन एवं राजनीति**
3	पाठ्यक्रम का प्रकार: (कोर कोर्स/वोकेशनल)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	इस पाठ्क्रम हेतु तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करना आवश्यक है।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	1 विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा में शासन के अंगों- राजा, अमात्य, सभा समिति, गणतंत्र इत्यादि को समझ सकेंगे। 2इस कोर्स को पूरा करने के पश्चात विद्यार्थी भारतीय संविधान के मूल दर्शन और आदर्शों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे । 3 विद्यार्थी मौलिक अधिकारों तथा उनकी नीति निर्देशकों से भिन्नता को समझने में सक्षम हो सकेंगे । 4विद्यार्थी सरकार के तीनों अंगों की संरचना, शक्ति और कार्यों को तथा उनके परस्पर संबंधों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे। 5 भारतीय राजव्यवस्था और राजनीतिक दल व्यवस्था की व्याख्या करने में सक्षम होंगे । 6 विद्यार्थी भारतीय राजव्यवस्था को मिलने वाली चुनौतियों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे।
6	क्रेडिट मान	5
7	कुल अंक	100

भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में) 6 घंटे **कुल व्याख्यान - 75 घंटे**		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या**
I	भारतीय ज्ञान परंपरा में शासन- राजा,अमात्य, सभा, समिति, गणतंत्र। संविधान सभा: गठन एवं कार्य,भारतीय संविधान का निर्माण,भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएं	15
	गतिविधियां- 1 समूह चर्चा- प्राचीन भारतीय शासन व्यवस्था के विभिन्न पक्षों जैसे राजा, अमात्य, पर विद्यार्थी समूह में विभक्त हो चर्चा करें। 2 वाद विवाद- विद्यार्थी संविधान सभा में हुई चर्चा को पुनः सजीव करें।	

II	इकाई -2 प्रस्तावना, मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, राज्य के नीति निर्देशक तत्व, संविधान संशोधन प्रक्रिया	15
	गतिविधि- 1पोस्टर निर्माण- विद्यार्थी विभिन्न मौलिक अधिकारों और नीति निर्देशक तत्वों को प्रदर्शित करते हुए पोस्टर्स का निर्माण कर सकते हैं| 2मॉक संशोधन प्रक्रिया -संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों पर संशोधन की प्रक्रिया प्रस्तावित करें और उस पर वोट करें।	
III	संघीय कार्यपालिका: राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री मंत्री परिषद	15
	गतिविधि- 1रोल प्ले - विद्यार्थी मंत्रियों, राष्ट्रपति इत्यादि की मॉक	

	भूमिका निभा सकते हैं। मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित कर सकते हैं,प्रस्ताव पास कर सकते हैं।	
IV	संघीय व्यवस्थापिका : लोकसभा राज्यसभा, संघीय न्यायपालिका: भारत का सर्वोच्च न्यायालय **गतिविधियां-**1 मॉक संसद - विद्यार्थी स्पीकर, संसद सदस्यों इत्यादि की मॉक भूमिका निभा सकते हैं। संसद में विधेयक पर चर्चा करें व उसको कानून बनाने की प्रक्रिया करें। 2 सुप्रीम कोर्ट रोल प्ले - सुप्रीम कोर्ट की मॉक सुनवाई का अनुकरण करें और छात्र न्यायाधीशों अधिवक्ताओं और याचिका कर्ताओं की भूमिका निभाएं।	15
V	राजनीतिक प्रक्रिया: भारतीय दलीय व्यवस्था की प्रकृति भारतीय राजनीति की चुनौतियां: अ.जातिवाद ब. क्षेत्रवाद स.भाषावाद द. संप्रदायवाद इ. भ्रष्टाचार एवं अपराधीकरण फ.नक्सलवाद नागरिक समाज एवं जन आंदोलन **गतिविधियां-** 1 समूह चर्चा- विद्यार्थी भारत के समक्ष आने वाली चुनौतियों जैसे क्षेत्रवाद, भाषावाद इत्यादि पर समूह में चर्चा करें। 2 रिसर्च प्रोजेक्ट- भारत के समक्ष आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर विद्यार्थी रिसर्च प्रोजेक्ट बना सकते हैं	15

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन

1. N.D. Palmer : Govt. and Politics in India.
2. J.C. Johari : Indian Government and Politics.
3. Coupland, Sir Reginald : The Indian Problem.
4. J.P. Bansal, Supreme Court : Judicial Restraint versus Judicial Activism, Judicial Activism, Jaipur, Unique 1985.
5. D.D. Basu, An Introduction on to the Constitution of India, New Delhi, Prentice Hall ,994 (also

in Hindi).
6. S. Kaushik (ed.), Indian Government and Politics, Delhi University, Directorate of Hindi Implementation, 1990.
7. S. Kaviraj, Politics in India, Delhi, Oxford University Press 1998.
8. R. Kothari (ed.), Politics in India, New Delhi Orient Longman, 1970.
9. M.V. Pylee, Constitutional Government in India, Bombay, Asia Publishing House, 977.
10. M. Weiner, Party Politics in India, Princeton NJ, Princeton University Press, 1957.

11Bidyut Chakrabarty and RK Pandey, Indian Government and politics, SAGE, 2008

12आनंद कुमार पाण्डेय एवं अर्चना पाण्डेय, भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी,भोपाल, 2024

13भारत का संविधान, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी,भोपाल 2024

14नलिनी रेवडीकर, भारतीय शासन एवं राजनीति, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल 2019

https://hmmcollege.ac.in

https://mpbou.edu.in

https://mdu.ac.in

https://epustakalay.com

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मुल्यांकन विधियांः

अधिकतम अंक: 100 न्यूनतम अंक 40

सतत व्यापक मूल्यांकन अंक: 40,

विश्वविद्यालयीन परीक्षा: 60

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मुल्यांकन (CCE): 40	4 क्लास टेस्ट (प्रत्येक टेस्ट 20 अंक, तीन टेस्ट लिखित होंगे और चौथा टेस्ट क्विज, परियोजना कार्य, प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) आदि के रूप में हो) 2 सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जोडा जाए	कुल अंक: 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय: 03 घंटे	**अनुभाग (अ) पांच लघु प्रश्न प्रत्येक (150 शब्द)** **अनुभाग (ब) पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	कुल अंक: 60

कोई टिप्पणी/सुझावः

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग : परिचय			
कार्यक्रम: द्विवर्षीय पाठ्यक्रम	कक्षा: एम.ए.	सेमेस्टर प्रथम	सत्र 2025 - 26
विषय: राजनीति विज्ञान			

1	पाठ्यक्रम का कोड	CC13
२	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंतरराष्ट्रीय राजनीति और समकालीन मुद्दे
3	पाठ्यक्रम का प्रकार: (कोर कोर्स/वोकेशनल)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	इस पाठ्क्रम हेतु तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करना आवश्यक है।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	1 विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा में अंतर राज्यीय संबंधों को समझ सकेंगे, वसुधैव कुटुंबकम के विचार को जान सकेंगे। 2 इस कोर्स को पूरा करने पर विद्यार्थी अंतरराष्ट्रीय राजनीति की मुख्य संकल्पनाओं से परिचित हो पाएंगे 3 यह विद्यार्थियों में शास्त्रीय यथार्थवाद, आदर्शवाद, व्यवस्था सिद्धांत, खेल सिद्धांत एवं निर्णय निर्माण सिद्धांत की समझ पैदा करेगा 4 यह कोर्स विद्यार्थियों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति की मुख्य मान्यताओं जैसे राष्ट्रीय शक्ति, शक्ति संतुलन,सामूहिक सुरक्षा इत्यादि की व्यापक समझ पैदा करेगा। 5 वैश्विक राजनीति क्या है और गैर पश्चिमी परिप्रेक्ष्य की क्या आवश्यकता है, गुटनिरपेक्षता की संकल्पना और उसकी प्रासंगिकता इत्यादि को समझने में सक्षम बनाएगा 6 मुख्य क्षेत्रों में उत्तर युद्ध मूल्यों और संस्थाओं को स्थापित करने में गैर पश्चिमी देशों की भूमिका समझने में सहायता मिलेगी 7 वैश्वीकरण, उदारीकरण, पर्यावरणवाद जैसी संकल्पनाओं और उनके द्वारा राजनीतिक प्रक्रिया को कैसे प्रभावित किया जाता है को समझने में सक्षम बनेंगे
6	क्रेडिट मान	5
7	कुल अंक	100

भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में) 6 घंटे कुल व्याख्यान - 75 घंटे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	1. अंतरराष्ट्रीय राजनीति का अर्थ प्रकृति, क्षेत्र, 2. भारतीय ज्ञान परंपरा में अंतर राज्यीय संबंध, वसुधैव कुटुंबकम का विचार । 3. अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत :यथार्थवाद और आदर्शवाद, व्यवस्था सिद्धांत, खेल सिद्धांत, निर्णय निर्माण सिद्धांत	15
	गतिविधियां-1 क्रिएटिव पोस्टर- विद्यार्थी ऐसे पोस्टर डिजाइन कर सकते हैं जो वसुधैव कुटुंबकम के प्रमुख सिद्धांतों को प्रदर्शित करते हो। 2 इंटरएक्टिव क्विज -विद्यार्थियों की सैद्धांतिक समझ विकसित करने अंतरराष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न सिद्धांतों जैसे व्यवस्था सिद्धांत, खेल सिद्धांत इत्यादि पर इंटरएक्टिव क्विज आयोजित किया जा सकता है।	
II	1.राष्ट्रीय शक्ति के तत्व एवं सीमाएं,शक्ति संतुलन और सामूहिक सुरक्षा: साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद,नव उपनिवेशवाद 2. राष्ट्रीय हित और अंतरराष्ट्रीय विचारधारा, नैतिकता	15
	गतिविधियां-1 समूह चर्चा- राष्ट्रीय शक्ति, शक्ति संतुलन व सामूहिक सुरक्षा पर समूह चर्चा आयोजित की जा सकती है। 2 वाद विवाद- उपनिवेशवाद और नव उपनिवेशवाद के खतरों पर विद्यार्थी वाद विवाद कर सकते हैं	
III	1. गुटनिरपेक्षता की अवधारणा: भूमिका और प्रासंगिकता 2. क्षेत्रीय संगठन: सार्क आसियान 3. निशस्त्रीकरण और शस्त्र नियंत्रण : सी टी बी टी,एन पी टी 4. शीत युद्ध, शीत युद्ध का अंत, शीत युद्ध के पश्चात समकालीन राजनीतिक मुद्दे	15
	गतिविधियां-1 वाद विवाद- गुटनिरपेक्षता की प्रासंगिकता पर वाद	

	विवाद आयोजित किया जा सकता है जहां विद्यार्थी अपने तर्क रखें 2 रिसर्च प्रोजेक्ट- विश्व में निशस्त्रीकरण की संभावनाओं और आज के विश्व के राजनीतिक मुद्दों पर प्रोजेक्ट किया जा सकता है|	
IV	1.उत्तर दक्षिण संवाद, दक्षिण दक्षिण सहयोग, जी -20, ब्रिक्स 2 .वैश्वीकरण :अर्थ, प्रकृति, लाभ और हानि, विश्व व्यापार संगठन की भूमिका 3उदारीकरण और राज्य की बदलती प्रकृति	15
	गतिविधिं-1 वाद विवाद- उत्तर दक्षिण संवाद, दक्षिण दक्षिण सहयोग, वैश्वीकरण, उदारवाद इत्यादि की लाभ हानि पर वाद विवाद आयोजित किया जा सकता है।	
V	1 .पर्यावरण के मुद्दे : रियो घोषणा पत्र 1992 और रियो जैव विविधता समझौता 2 आतंकवाद:आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले तत्व,दक्षिण एशिया में आतंकवाद,सीमा पार का आतंकवाद	15
	गतिविधि- इंटरएक्टिव क्विज- विद्यार्थियों की पर्यावरण के मुद्दों और आतंकवाद पर समझ को विकसित करने हेतु इंटरएक्टिव क्विज का आयोजन किया जाए|	

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन

1. Hans, J. Morgenthau : Politics Among Nations.
2. Palmer, N.D. & Perkins, C : International Relations.
3. Schuman, F.L. : International Politics.
4. Mahendra Kumar : Theoretical Aspects of International Politics.
5. P. Allan ad K. Oldman (eds) : The End of the Cold War, Dordrecht, Martinus Nijhoff, 1992.
6. H. Bull : The Anarchical Society : A Study of Order in World Politics, London,Macmillan, 1977.
7. I. Claude : Power and International Relations, New York, Random House, 1962.
8. H.J. Morgenthau: Politics Among Nations, 6th edition, revised by K.W. Thompson, New York, Alfred Knopf, 1985.
9. M.S. Rajan : Non-Alignment and the Non-Alignment Movement in the Present World Order, Delhi, Konark, 1994.
10. J.N. Rosenau: World Politics : An Introduction, New York The Free Press, 1976

11रामदेव भारद्वाज, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और समसामयिक राजनीतिक मुद्दे, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल 2024

12 पुष्पेश पंत एवं जितेंद्र कुमार पाण्डेय, 21वीं शताब्दी में अंतरराष्ट्रीय संबंध, मैकग्राहिल्स, 2025

13 तपन बिसवाल, अंतरराष्ट्रीय संबंध, ओरिएंट ब्लैक स्वान, 2016

15 पीयू घोष, अंतरराष्ट्रीय संबंध, पी एच आई, 2023

https://mdu.ac.in/Up

https://www.palgrave.com

https://dspmuranchi.ac.in

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मुल्यांकन विधियांः **अधिकतम अंक: 100** न्यूनतम अंक 40 **सतत व्यापक मूल्यांकन अंक: 40,** **विश्वविद्यालयीन परीक्षा: 60**		
आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मुल्यांकन (CCE):	4 क्लास टेस्ट (प्रत्येक टेस्ट 20 अंक, तीन टेस्ट लिखित होंगे और चौथा टेस्ट क्विज, परियोजना कार्य, प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) आदि के रूप में हो) 2 सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जोडा जाए	कुल अंक: 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय: 03 घंटे	**अनुभाग (अ)ः पांच लघु प्रश्न प्रत्येक (150 शब्द)** **अनुभाग (ब) पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	कुल अंक: 60
कोई टिप्पणी/सुझावः		

S.S.in Political Science & Public Administration
Vikram University, Ujjain (M.P.)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग : परिचय			
कार्यक्रम: द्विवर्षीय पाठ्यक्रम	कक्षा: एम.ए.	सेमेस्टर प्रथम	**सत्र** 2025 - 26
विषय: राजनीति विज्ञान			

1	**पाठ्यक्रम का कोड**	CC14
२	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	शोध प्रविधि
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार: (कोर कोर्स/वोकेशनल)**	कोर कोर्स
4	**पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)**	इस पाठ्क्रम हेतु तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करना आवश्यक है।
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)**	1 विद्यार्थी विभिन्न मात्रात्मक एवं गुणात्मक उपकरणों व तकनीक का शोध में उपयोग करने में सक्षम होंगे 2 डाटा संग्रहण एवं विश्लेषणके लिए विभिन्न उपकरणों और तकनीकों के बारे में समझ पैदा होगी 3 विद्यार्थी अपना शोध प्रारूप तैयार करने में सक्षम होंगे 4-सोशल रिसर्च में कंप्यूटर के उपयोग को समझने में सक्षम होंगे
6	**क्रेडिट मान**	5
7	**कुल अंक**	100

भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में) 6 घंटे कुल व्याख्यान - 75 घंटे		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान की संख्या**
I	सामाजिक शोध की प्रकृति एवं क्षेत्र, महत्व एवं उपयोगिता,विशुद्ध शोध एवं व्यवहारिक शोध में अंतर, शोध समस्या की पहचान,शोध प्रारूप (प्ररचना)	15
	गतिविधियां - समूह चर्चा- विद्यार्थियों को समूह में विभक्त करें और उनसे सामाजिक शोध तथा विशुद्ध व व्यावहारिक शोध में अंतर पर चर्चा करने को कहें । 2 शोध प्रारूप निर्माण- विद्यार्थियों से एक शोध समस्या की पहचान	

	करने को कहें व उस पर शोध प्रारूप तैयार करवाएं।	
II	उपकल्पना: अवधारणा एवं चर, वर्गीकरण, उपकल्पना निर्माण एवं परीक्षण, प्रतिचयन (निदर्शन) पद्धति	15
	गतिविधियां-उपकल्पना निर्माण- विद्यार्थियों को किसी विषय पर उपकल्पना बनाने के लिए कहे और उसका परीक्षण भी करवाएं।	
III	तथ्य संकलन के उपकरण एवं तकनीक: अवलोकन- अवलोकन की विशेषताएं, अवलोकन के प्रकार, गुण एवं दोष, प्रश्नावली, अनुसूची एवं साक्षात्कार, सर्वेक्षण की तकनीक	15
	गतिविधियां -1पैनल चर्चा- विद्यार्थियों के पैनल बनाएं और शोध की विभिन्न तकनीकों पर चर्चा करवाएं। 2इंटरएक्टिव क्विज- तथ्य संग्रहण की विभिन्न तकनीकों पर क्विज आयोजित करें शोध का विषय दें और उसके लिए उपयुक्त शोध तकनीक पूछे।	
IV	अध्ययन की प्रकृति : व्यक्तिगत अध्ययन तकनीक, पूर्वगामी अध्ययन एवं पैनल अध्ययन, समाज विज्ञान शोध में संगणक (कंप्यूटर)का प्रयोग ,सामाजिक विज्ञान में सिद्धांत निर्माण, प्रतिवेदन लेखन ।	15
	गतिविधियां1समूह चर्चा- व्यक्तिगत अध्ययन, पायलट अध्ययन व पैनल अध्ययन पर विभक्त समूह में विद्यार्थियों से चर्चा करवाएं। 2 प्रतिवेदन लेखन- विद्यार्थियों से किसी चुने गए विषय पर बिंदुवार प्रतिवेदन लेखन करवाएं	
V	-आवृत्ति वण्टन, केंद्रीय प्रवृत्ति के माप - माध्य, मध्यिका एवं बहुलक, विचलनों का माप,सह संबंध सिद्धांत|	15
	गतिविधियां -1समूह चर्चा- विद्यार्थी समूह में विभक्त हो विभिन्न सांख्यिकीय टूल्स पर चर्चा करें । 2 अभ्यास- माध्य, मध्यिका एवं बहुलक एव सह संबंध पर अभ्यास के प्रश्न हल करवाए ताकि उनकी समझ बढ़ सके।	

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तके, अन्य संसाधन

1. Mukharji - Social Survey & Social Research (Hindi)
2. Bajpai, S.R. - Methods of Social Survey and Research.
3. Ghosh, B.N. - Scientific Method and Social Research.

4. Goode, W.G. & P.K. Hatt - Methods in Social Research.

5. Gopal, M.H. - An Introduction to Research Procedure in Social Sciences.

6. Lundburhg, G. - Social Research.

7. Raiammal, P. Devada & J. Kuladelvel - A Hand Book of Methodology of Research.

8. Selltiz & Jahoda - Research Methods in Social Relation.

9. Young, P.V. - Scientific Social Surveys and Research.

10एम एल मोरे, सामाजिक शोध की मूलभूत अवधारणाएं, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 2024

11सामाजिक अनुसंधान पद्धति, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 2024

12विवेक मिश्रा, शोध प्रविधि,मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल,2024

https://www.jsscacs.edu.in

https://www.euacademic.org

https://www.lpude.in

भाग द - अनुशंसित ममूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मुल्यांकन विधियांः **अधिकतम अंक: 100** न्यूनतम अंक 40 **सतत व्यापक मूल्यांकन अंक: 40,** **विश्वविद्यालयीन परीक्षा: 60**		
आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मुल्यांकन (CCE): 40	4 क्लास टेस्ट (प्रत्येक टेस्ट 20 अंक, तीन टेस्ट लिखित होंगे और चौथा टेस्ट क्विज, परियोजना कार्य, प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) आदि के रूप में हो) 2 सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जोडा जाए	कुल अंक: 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय: 03 घंटे	**अनुभाग (अ)ः पांच लघु प्रश्न प्रत्येक (150 शब्द)** **अनुभाग (ब) पांच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	कुल अंक: 60
कोई टिप्पणी/सुझावः		